पशु की छाप (666)

बाईबल पशु की छाप के विषय में क्या कहती है ?

प्रकाशितवाक्य 13:15-18

उसे उस पशु की मूरत में प्राण डालने का अधिकार दिया गया, कि पशु की मूरत बोलने लगे; और जितने लोग उस पशु की मूरत की पूजा न करें, उन्हें मरवा डाले। और उसने छोटे-बड़े, धनी-कंगाल, स्वत्रंत-दास सब के दाहिने हाथ या उन के माथे पर एक एक छाप करा दी। कि उस को छोड़ जिस पर छाप अर्थात उस पशु का नाम, या उसके नाम का अंक हो, अन्य कोई लेन देन न कर सके। ज्ञान इसी में है: जिसे बुद्धि हो, वह इस पशु का अंक जोड़ ले, क्योंकि वह मनुष्य का अंक है, और उसका अंक छ: सौ छियासठ है।

प्रकाशितवाक्य 14:9-11

फिर इन के बाद एक और,तीसरा, स्वर्गदूत बड़े शब्द से यह कहता हुआ आया, ''जो कोई उस पशु और उसकी मूरत की पूजा करे, और अपने माथे या अपने हाथ पर उसकी छाप ले। वह परमेश्वर का प्रकोप की निरी मदिरा जो उसके क्रोध के कटोरे में डाली गई है, पीएगा और पवित्र स्वर्गदूतों के साम्हने, और मेमने के साम्हने आग और गन्धक की पीड़ा में पड़ेगा। उनकी पीड़ा का धुआँ युगानुयुग उठता रहेगा, और जो उस पशु और उसकी मूरत की पूजा करते हैं, और जो उसके नाम की छाप लेते हैं, उनको रात दिन चैन न मिलेगा।

यह कैसे होगा इसके लिए बहुँत से अटकले है, परंतु आप इसके बारे में सुनिश्चित रहें।

जो भी पशु की छाप लेगा, वह शापित है।

इसका कोई क्षमा नही, कोई दूसरा मौका नही, कोई वापसी नही, कोई छुटकारा नही, कोई उद्धार नही।

ऐसा मत सोचें, परमेश्वर समझेगें, छाप लेने के बाद वे मुझे क्षमा कर देगें, वे दयालु हैं, वे नही चाहते कि मैं अपना जीवन खो दूँ। मुझे ड़रने की कोई आवश्कता नही है, मैं तब भी बच सकता हूँ, सही ? गलत !!!!

अगर आपने पशु की छाप अपने माथे या हाथो पर लिया, तो आप खत्म ! आप नही बचेगें। आपने आपकी निष्ठा पशु को दे दी। छाप लेने के बाद बहुँत तनाव, अत्यधिक क्लेश होगा। यह शायद कई समस्याओ को सुलझाने, जीवित रहने के लिए अच्छी लगे। छाप लेने के बाद आपके उपर अत्यधिक दबाव आएगा, जैसे यातना, जीवन का खोना, नौकरी का खोना, बच्चो का खोना, घर का खोना, प्रतिष्ठा, संपत्ति, स्वतंत्रता, अंग आदि का खोना। भविष्यवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि, शैतान उसे आसानी से सिर कलम करके

जाने नही देगा, जो उसका इंकार करेगा। परंतु उसका छाप देने के लिए वह खौफनाक ढ़ंग से प्रताड़ित करेगा। आप छाप के बिना कुछ भी खरीद या बेच नही पाएगें। समय के इस बिंदु में आप छाप लेने के बजाए, मरने के लिए तैयार रहना चाहिए। आपको पशु की छाप लेने के बजाए सजा के लिए तैयार रहना चाहिए, चाहे सजा कुछ भी हो। समझौता मत करें, इसमे कोई गलती मत करें, जो भी छाप को लेगा विश्वासी भी, वह परमेश्वर के पूर्ण क्रोध द्वारा हमेशा हमेशा के लिए दड़ित किया जाएगा। ऐसा मत सोचें पीड़ा को रोकने के लिए आत्महत्या करना चाहिए। और यह आपको छाप लेने से रोक सकेगा। आत्महत्या आपको नही बचा सकता ; यह आपको नर्क ले जाएगा, अगर आप विश्वासी है फिर भी। और यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास नही करते, और छाप लेने से इंकार करना आपको बचा नही सकता। आपको **प्रभु यीशु मसीह** पर विश्वास और अंगीकार करना है, और छाप को लेने से इंकार करना है; केवल इससे ही आप बच सकते हैं।

परंतु यहॉ आशा है, उनके लिए जो पीछे छुट गए ; जिन्होने पशु की छाप लेने से इंकार कर दिया और अपने विश्वास के कारण मार ड़ाले गये।

प्रकाशितवाक्य 20:4

फिर मैं ने सिंहासन देखे, और उन पर लोग बैठ गए, और उन को न्याय करने का

अधिकार दिया गया; मैं ने उनकी आत्माओं को भी देखा, जिनके सिर यीशु की गवाही देने और परमेश्वर के वचन के कारण काटे गए थे, और जिन्होंने न उस पशु की, और न उसकी मूरत की पूजा की थी, और न उस की छाप अपने माथे और हाथों पर ली थी। वे जीवित होकर मसीह के साथ हजार वर्ष तक राज्य करते रहे।